डिमेंशिया

डिमेंशिया अर्थात क्या?

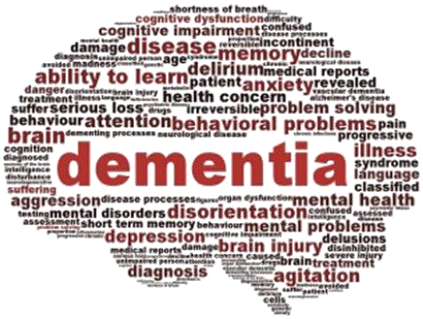

डिमेंशिया वहस्थिती है जिसमे स्मरणशक्ती, नियंत्रित विचारशक्ती एवं निर्णय क्षमता में कमी हो जाती है| अल्झायमर यानी स्मरणशक्ती का खोना डिमेंशिया सबसे बडा कारण है| वैसे हि दिमाग के रक्त प्रवाहमे कमी अथवा दिमाग में चेतातंत्र का नुकसान अथवा दीर्घकाल शराब का सेवन आदी सामान्य कारण है| डिमेंशिया रोग ठीक नही हो सकता तथापि रोका भी नाही जा सकताकिंतु उपचार के मध्यम से उसके लक्षण काम किये जा सकते है अथवा उसकी गती को कम किया जा सकता है|

डिमेंशिया का खतरा बढने के कारण:

- डिमेंशिया की पारिवारिक पार्श्वभूमी होणे पर
- मधुमेह अथवा उच्च रक्तदाब जैसे विकार होणे पर
- सिर में घाव, ब्रेन-टुमर अथवा पक्षाघात(स्ट्रोक)
- मध्यपान एवं धूम्रपान
- दैनिक हलचल एवं व्यायाम का अभाव
- किटाणू या जीवाणू के कारण एच.आय.व्ही एवं सिफालीस जैसा रोग के हो जाणे से

डिमेंशिया के लक्षण:

- सिर में हुएं घाव अथवा पक्षाघात के पश्चात शीघ्र ही अथवा कुछ महिनो में डिमेंशिया याह रोग हो सकता है| अल्झायमर विकार होणे की स्थिती में डिमेंशिया धीरे-धीरे बढ सकता है| रोगी की स्मृती तथा मानसिक क्षमता निरंतर काम हो सकती है|
- प्रारंभ में अल्पकालीन स्मृती का ह्रास होता है तथापि द्रीघकालीन परिस्थिती में स्मृती पूर्णत ह्रास होती है|
- लघुशंका अथवा शौच जाणे की संवेदना का पता न चलना
- गुस्सा अथवा हिंसक व्यवहार
- चिंता, उदासीनता एवं भ्रामकता

डिमेंशिया का निदान कैसे करे:

- स्मरणशक्ती की जाच
- रक्त जाच
- एम आर आय अथवा सिटीस्कॅन

डिमेंशिया का उपचार:

- याद्गास्त में होनेवाली कमी की दवाये ली जा सकती है|
- ॲन्टी-साय्कोटीक्स का उपयोग व्यवहार में परिवर्तन हेतू एवं क्रोध, गुसे को नियंत्रण में करणे के लिये किया जा सकता है|
- चिंता कम कर शांत रहने हेतू ॲन्टी- ॲन्झायटी दवाये दी जा सकती है|
- उदासीनता एवं मनस्थिती की सुधार हेतू ॲन्टी-डीप्रेसंट दवायी ऐसे सभी लक्षण कम करणे हेतू की जा सकती है|

Reference: Micromedex's Care Notes System Online 2.0